शुभारम्भ

कैलाश न्यूरो सेन्टर

डा. लक्ष्मीकान्त जोशी
M.B.B.S., M.D., DM (Neurology)
G.B.Pant Hospital Delhi
वरिष्ठ न्यूरो फिजीशियन, सिरदर्द एवं मिर्गी रोग विशेषज्ञ

सुविधायें एवं उपचार

- ब्रेन हैमरेज, स्ट्रोक, फालिस पड़ना (लकवा)
- मिर्गी के दौरे, चक्कर आना बेहोशी आना
- सभी प्रकार के सिरदर्द–माईग्रेन, चेहरे का दर्द आदि
- कमर दर्द, गर्दन का दर्द (Sponodylosis) पीठ का दर्द, मसकुलर डिस्ट्राफी
- सभी प्रकार की नसों का दर्द एवं मांसपेसियों की जांच (Neuropathy)
- हाथ–पैरों में जलन, झनझनाहट, सुन्नपन, नसों की बीमारी
- दिमागी बुखार/ मस्तिस्क ज्वर (Encephalitis, Meninglitis) दिमागी टीवी
- याददास्त कम होना, सियाटिका भूलने की बीमारी (Dementia) गफलत (Confused Stage)
- चाल में परिवर्तन, गिरने की बीमारी (Parkinson Disease)
- पर्किनसन की बीमारी, हाथ पैरों में कम्पन होना
- आँखों से कम दिखना (Optic Neuritis) बहरेपन की जांच
- पलके झुकना, आँखों से डबल दिखना, हाथ पैरों में थकान (Myasthenia Gravis)
- मुँह का टेड़ापन होना तथा हाथ पॉव/गर्दन में कंपन के उपचार हेतु (Botox का Injection)
- दिमाग एवं रीढ़ की समस्त बीमारियों का उपचार
- डिस्क प्रोलेप्स से सम्बन्धित सभी बीमारियों का उपचार
- इलेक्ट्रोइनसिफेलाग्राफी तथा ब्रेन मापिंग (EEG)
- NCV STUDIES, EMG, EVOKED POTENTIAL

Kailash Neuro Center
Opposite Pilikothi Road, Near ICICI Bank, Kaladungi Road, Haldwani-263139
Contact: 6395596811
For Appointment Contact: 7409873078

गर्मी से पानी है राहत आइए हिल स्टेशन

गर्मी के मौसम में जब चिलचिलाती धूप एवं असहय गर्मी पड़ने लगती है तब मनुष्य इससे मुक्ति पाने कहीं जाने के लिए बेचैन हो जाता है। ऐसे में हिल स्टेशन सबसे अच्छी जगह सिद्ध होती है। ऐसे पर्वतीय क्षेत्र हरे-भरे एवं सुंदर दृश्यों से भरपूर होते हैं जहां गर्मी की छुट्टियां को आराम से बिताया जा सकता है। इसी प्रसंग में हम देश के प्रमुख हिल स्टेशन का यहां उल्लेख एवं वर्णन कर रहे हैं।

देहरादून– देहरादून का नाम आप सब ने सुना होगा। यह उत्तराखंड राज्य में स्थित है एवं उसकी राजधानी है। यह अपनी मनमोहक छटा, मंदिर एवं शैक्षणिक संस्थान आदि के कारण पर्यटकों में विशेष लोकप्रिय है। यहां अनेक शोध एवं अनुसंधान संस्थान हैं। गंगा, यमुना नदियों से घिरा देहरादून, दून वैली एवं दून घाटी के नाम से जाना जाता है।

शिमला– हिमाचल प्रदेश स्थित शिमला देशी-विदेशी पर्यटकों का सबसे पसंदीदा एवं प्रसिद्ध हिल स्टेशन है। यह देश का सबसे सुंदर पर्वतीय क्षेत्र है। यहां बारहों मास पर्यटकों की भीड़ रहती है। यहां के पहाड़ों पर ऊंचे-ऊंचे सुंदर एवं हरे-भरे पेड़-पौधे हैं। जिन पर बर्फ की चादर जम जाती है। यहां का प्राकृतिक वातावरण सबका मन मोह लेता है।

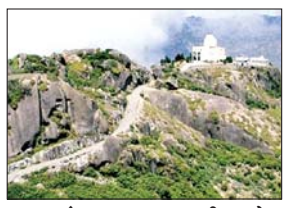

माउंटआबू– मरुस्थलीय प्रदेश राजस्थान का एकमात्र पर्वती क्षेत्र माउंटआबू है। यह अरावली पर्वत श्रृंखला में मौजूद है। यह तपती धूप में शीतल हवा के समान है। यहां ऊंचे-ऊंचे पहाड़ एवं चारों तरफ हरियाली है जो मन मोह लेते हैं। यहां की प्राकृतिक सुंदरता एवं ऐतिहासिक मंदिर पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचगनी– महाराष्ट्र में पांच पहाड़ियों से घिरा पंचगनी हिल स्टेशन है। इसे महाबलेश्वर का सिस्टर हिल स्टेशन भी कहा जाता है। यहां पर्यटकों को आकर्षित करने के प्राकृतिक दृश्य एवं स्थल मौजूद हैं। पास ही सुंदर कृष्णा नदी बहती है जो धूप में ठंडक का अनुभव कराती है।

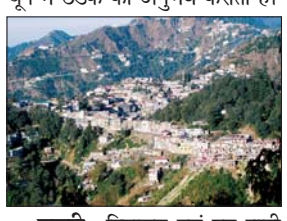

मसूरी– हिमालय एवं दून घाटी के बीच उत्तराखंड में बसा मसूरी छोटा सा किंतु बहुत सुंदर हिल स्टेशन है। कोलाहल से दूर यह पर्वतीय क्षेत्र हरे-भरे प्राकृतिक दृश्यों से सबको आकर्षित करता है।

ऊटी– पर्वतों की रानी ऊटी का वास्तविक नाम उदक मंडल है। यह दक्षिण भारत के तमिलनाडु में स्थित है। यहां के खूबसूरत पहाड़ों पर नीले रंग के फूल मखमली चादर जैसे दिखते हैं। यहां के प्राकृतिक दृश्य एवं वनस्पति उद्यान सबको आकर्षित करते हैं।

मुन्नार– केरल का छोटा सा लेकिन बहुत सुंदर हिल स्टेशन है।

यह अधिक प्रसिद्ध नहीं है किंतु की नदियों एवं यहां के फूल सब को अपनी ओर खींच लाते हैं। यहां झरने, झील, नदियां एवं चाय के बागान हैं। मुन्नार में कुछ फूल ऐसे हैं जो 12 साल में एक बार खिलते हैं।

कोडाईकनाल– दक्षिण भारत के तमिलनाडु में स्थित सुंदर एवं मनमोहक हिल स्टेशन है। यहां की विशाल चट्टानें, शांत झीलें, फूलों के बगीचे अनेक सुगंधित पौधे एवं फूलों की हवा सबका मन मोह लेते हैं। यहां की प्राकृतिक सुंदरता को सभी करीब से देखना चाहते हैं।

दार्जिलिंग– पश्चिम बंगाल स्थित यह हिल स्टेशन चाय बागान एवं सुंदर दृश्य तथा छुक-छुक करती रेलगाड़ी के कारण बहुत प्रसिद्ध है। यहां चारों तरफ हरियाली ही हरियाली दिखाई देती है। यहां बादलों की फुहार सबको रोमांचित व आकर्षित करती है।

मनाली– यह उत्तर भारत के हिमाचल प्रदेश स्थित मनमोहक पर्वतीय क्षेत्र है। इसे राजा मनु का घर कहा जाता है। यह कुल्लू घाटी स्थित प्रमुख पर्यटन स्थल है। यहां हरे-भरे जंगल एवं पहाड़ों के बीच गुजरती दूधिया नदियों को देख सबकी नजरें ठहर जाती हैं। यहां अनेक झरने एवं दर्शनीय स्थल हैं। यहां के फूल एवं सेब के बगीचे सबके मनो मस्तिष्क पर छा जाते हैं।

शंखनाद से नष्ट होते हैं विषाणु

शंख ध्वनि मानव के लिए श्रवणोपयोगी है। इसमें प्रदूषण दूर करने की अदभुत क्षमता है। यही कारण है कि कथा-पूजा-आरती व प्रवचन के समय एकत्रित सदस्य समुदाय की श्वास-प्रश्वास क्रिया द्वारा फैलने वाले प्रदूषण को दूर करने के लिये सर्व प्रथम शंख-ध्वनि करने भी प्रथा है। इससे एकत्रित जन समुदाय का ध्यान भी एक ओर आकृष्ट कर केंद्रित किया जाता है। प्राचीन काल में शंख सब घरों में होता था। इसे दैनिक पूजा-अर्चना में स्थान दिया गया था। साधु समाज ही नहीं, गृहस्थों के घरों में भी शंख अनिवार्य रूप से रहता था। आज भी सभी साधु समाज और देवताओं में शंख को प्रमुख स्थान प्राप्त है। कालान्तर में एक समय ऐसा आया जब विधर्मी शासकों ने जो इसके गुणों से अपरिचित रहे होंगे, इसकी ध्वनि पर मौखिक प्रतिबंध लगा दिया। जो शंख बजाता था, उसे दण्डित किया जाता था। भयभीत होकर हिन्दुओं ने अपने घर में शंख रखना ही बन्द कर दिया। मात्र कुछ पूजा-पाठ में लगे लोग ही इसे रखते रहे। प्रतिबंध के भय से धीरे-धीरे घरों से शंख लुप्त होता चला गया और इसके महत्व से लोग अपरिचित होने लग गए। शंख की उत्पति देवासुरों द्वारा किये गये समुद्र मंथन के दौरान चौदह रत्नों में से प्राप्त एक रत्न के रूप में हुई। पांचजन्य नामक शंख समुद्र मंथन के क्रम में प्राप्त हुआ था जो अदभुत स्वर, रूप और गुणों से सम्पन्न था। उसे भगवान विष्णु ने स्वयं ही धारण कर लिया। तब से विष्णु के आयुध के रूप में शंख की पूजा होने लगी।

शंख समुद्र की घोंघा जाति का एक प्राणिज द्रव्य है। यह दो प्रकार का-दक्षिणावर्ती तथा वामवर्ती होता है। दक्षिणावर्ती शंख का पेट दक्षिण की ओर खुला होता है। यह बजाने के काम में नहीं आता क्योंकि इसका मुंह बन्द होता है। इसका बजना अशुभ माना जाता है। इसका प्रयोग अर्घ्य देने के लिए विशेषतः किया जाता है। वामवर्ती शंख का पेट बायीं ओर खुला होता है। इसको बजाने के लिए छिद्र होता है। इसकी ध्वनि से रोगोत्पादक कीटाणु कमजोर पड़ जाते हैं और अनेकानेक बीमारियां भाग खड़ी होती हैं। यह जिस घर में रहता है, वहां लक्ष्मी का निवास माना जाता है। अथर्ववेद के अनुसार शंख-ध्वनि व शंख जल के प्रभाव से बाधा आदि अशान्ति कारक तत्वों का पलायन हो जाता है। रणवीर भक्ति रत्नाकर में शंखनाद के विषय में लिखा गया है कि ध्वनि (नाद) से बड़ा कोई मंत्र नहीं है। ध्वनि के निस्सारण की विधि जानकर उसका यथोचित समय पर प्रयोग करने के समान कोई पूजा नहीं है। विधि विहीन स्वर हानिप्रद भी हो सकता है। विश्वविख्यात भारतीय वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बसु ने अपने यंत्रों द्वारा यह खोज की थी कि एकबार शंख फूंकने पर उसकी ध्वनि जहां तक जाती है, वहां तक अनेक बीमारियों के कीटाणुओं के दिल दहल जाते हैं और ध्वनि स्पंदन से वे मूर्छित हो जाते हैं। यदि निरन्तर प्रतिदिन यह क्रिया चालू रखी जाय तो फिर वहां का वायुमंडल ऐसे कीटाणुओं से सर्वथा मुक्त हो जाता है।

शंख ध्वनि से क्षयरोग, हैजा आदि के कीटाणु नष्ट हो जाते हैं। एक अनुमान के अनुसार प्रति सेकेंड 27 घनफुट वायु शक्ति की तीव्रता से बजाये हुए शंख के प्रभाव से 1200 घनफुट दूरी तक स्थित कीटाणु समाप्त हो जाते हैं। जबकि 260 घनफुट दूर तक के कीटाणु मूर्छित हो जाते हैं। मूकता और हकलापन दूर करने के लिए निरंतर शंखध्वनि श्रवण करना अचूक औषधि है। अगर वे व्यक्ति स्वयं शंख फूंकें तो कुछ समय के बाद मूकता और हकलापन अवश्य दूर हो जाते हैं। बधिरता (बहरापन) को भी शंखनाद दूर करता है। रोगी के कान से करीब दो फिट की दूरी से नियमित शंख ध्वनि सुनाते रहने से धीरे-धीरे बहरापन दूर होने लग जाता है और श्रवण शक्ति पुनः लौट आती है। निरंतर शंख ध्वनि सुनने से हृदयावरोध (हार्ट-अटैक) नहीं होता। शंख फूंकने वाले व्यक्ति के फेफड़े शक्तिशाली हो जाते हैं क्योंकि शंख फूंकते समय पहले हवा फेफड़ों में संग्रहित होती है, फिर उसे मुंह में भरकर शंख छिद्र में फूंकते हैं। इससे आंत, श्वासनली व फेफड़ों को एक साथ काम करना पड़ता है। यह प्रक्रिया यदि निरंतर की जाय तो दमा, खांसी, प्लीहा, यकृतक्षय आदि रोग समूल नष्ट हो जाते हैं और स्वस्थ व्यक्ति दीर्घ जीवन तक इन रोगों से ग्रस्त नहीं होते। शीत पित्त, श्वेत प्रदर, गर्भाशय विकार आदि रोग भी शंखनाद के प्रभाव से दूर हो जाते हैं।

–आनंद कुमार

आईजी ने पुलिस कप्तानों व अधिकारियों की बैठक में दिये निर्देश

पर्यटन सीजन में रखें चाक चौबंद व्यवस्थाएं

नैनीताल में थाना बैजनाथ बागेश्वर के एसओ को सम्मानित करते व मंडलीय पुलिस अधिकारियों की बैठक लेते आईजी पूरन रावत। ● उत्तरांचल दीप

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

नैनीताल। आईजी कुमाऊं परिक्षेत्र पूरन सिंह रावत ने मंगलवार को मंडल के पुलिस कप्तानों व अधिकारियों की बैठक लेते हुए आगामी पर्यटन सीजन में सैलानियों की सुविधाओं के लिए चाक चौबंद व्यवस्था रखने के निदेश दिये। उन्होंने अपराधों को रोकने के लिए गश्त बढ़ाने के साथ ही यातायात व्यवस्था को भी ठीक रखने के निर्देश दिये। इस दौरान आईजी ने अपराधों की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि विभिन्न जिलों में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई अमल में लाने के साथ ही यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए। सड़क सुरक्षा तथा दुर्घटनाओं के रोकथामके लिए समस्त जनपद प्रभारियों को समय-समय पर यातायात सड़क सुरक्षा अभियान चलाये जाने एवं जनता के मध्य यातायात के प्रति जनजागरूकता चलाये जाने के लिए प्रेरित किया

गया। इस अवसर पर आईजी ने सेवानिवृत निरीक्षक हरीश चन्द्र पांडा की पुस्तक अनुभव दो का विमोचन भी किया। इस अवसर पर आईजी ने पांडा द्वारा पुलिस सेवा के दौरान अनुभवों को सजोने के लिए लिखी पुस्तक की प्रशंसा भी की। उस अवसर पर आईजी ने थाना बैजनाथ शराब का जखीरा पकड़ने पर पुलिस आफ द मंथ से बागेश्वर के एसओ मदन लाल को नवाजा गया। उन्हें प्रस्तिपत्र व एक हजार रुपया देकर सम्मानित किया गया। बैठक में एसएसपी नैनीताल जन्मेजय खंडूरी, उधमसिंहनगर सदानन्द दाते, अल्मोड़ा पी. रेणुका देवी, बागेश्वर मुकेश कुमार, धीरेन्द्र गुंज्याल पुलिस अधीक्षक चम्पावत, सीओ शेखर सुयाल पिथौरागढ़ सहित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। समाचार लिखे जाने तक बैठक जारी थी।

डीएम ने सुनीं जन समस्याएं

नैनीताल। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी विनोद कुमार सुमन ने जिला कार्यालय सभागार में जनसमस्याएं सुनी। रिक्शा चालक प्रहारी यादव ने मालरोड पर रिक्शा का दोनों ओर से टिकट व्यवस्था किये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए पूर्व की तरह ही 25 रिक्शों का संचालन नकद धनराशि पर ही कराने का अनुरोध किया। जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगरपालिका को रिक्शा स्वामी एवं रिक्शा चालकों के साथ संयुक्त बैठक कर समस्या समाधान करने के निर्देश दिये गये। राजेन्द्र सिंह ने लालकुंआ विशाल निर्मित प्राइवेट लिमिटेड में कार्यरत अनुबन्धित ठेका कर्मचारियों को यूनियन गठित करने सहित अन्य कई समस्यायें उठाई।

दिव्यांग की मौत की सीबीआई जांच हो : बेहड़

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

रुद्रपुर। रविंद्रनगर निवासी 50 वर्षीय दिव्यांग राजकुमार की खटीमा में पुलिस हिरासत में हुई मृत्यु के बाद रुद्रपुर श्मशान घाट पहुंच कर पूर्व मंत्री तिलकराज बेहड़ ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। बेहड़ ने राज्य सरकार से मृतक के परिजनों को तत्काल 10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की है।

बेहड़ ने कहा कि परिजनों के अनुसार दिव्यांग राजकुमार की मौत पुलिस हिरासत में हुई है। बेहड़ ने राज्य सरकार से परिवार के पालन पोषण हेतु 10 लाख रुपये का मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी ऊधमसिंह नगर में पुलिस हिरासत में लोगों की मृत्यु हो चुकी है। उन्होंने मृतक राजकुमार के परिजनों से सरकार के दलालों से सावधान रहने को कहा है। बेहड़ ने कहा कि राज्य सरकार के दलाल मृतक के घर पहुंच कर हाई वोल्टेज ड्रामा प्रस्तुत करेंगे और समाचार पत्रों के माध्यम से अपनी सरकार व खुद के लिये वाहवाही लूटने का पुरजोर प्रयास करेंगे फिर मुआवजा देने की घोषणा करेंगे और उसके बाद अपने बयानों से मुकर जायेंगे। बेहड़ ने कहा कि उपरोक्त मामले की जांच गंभीरता से होनी चाहिये। जो कोई भी इस मामले में दोषी है, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि किसी के परिवार के व्यक्ति की जान सस्ती नहीं होती चाहे वह गरीब ही क्यों ना हो दोषी के खिलाफ कार्यवाही जरूर होनी चाहिये। बेहड़ ने कहा कि दिव्यांग राजकुमार की मृत्यु पुलिस हिरासत में हुई है, इसलिये इस मामले की जांच पुलिस द्वारा निष्पक्षता से नहीं की जायगी। पूर्व मंत्री ने कहा कि वह राज्य सरकार से इस मामले की जांच सीबीआई से कराये जाने की मांग करते हैं एवं तत्काल परिवार के लोगो को 10 लाख रुपये मुआवजा दिये जाने की मांग की है।

मांग

- पूर्व मंत्री ने परिजनों से मुलाकात कर सरकार से मांगा दस लाख का मुआवजा

पूर्व सांसद पासी की चाची का निधन

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

किच्छा। पूर्व सांसद व वरिष्ठ भाजपा नेता बलराज पासी की चाची सीतारानी पासी के आकस्मिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी। उनके निधन की सूचना पर तमाम गणमान्य लोगों का तांता उनके आवास विकास स्थित निवास पर लग गया।

नगर के बाईपास स्थित सत्यपथ धाम पर विधि विधान से उनका अंतिम संस्कार किया गया। जानकारी के अनुसार पूर्व सांसद बलराज पासी के चाचा देवराज पासी व उनकी पत्नी सीता रानी गत कई वर्षों से किच्छा के आवास विकास में निवास कर कारोबार कर रहे थे। जानकारी के अनुसार कुछ दिनों से 72 वर्षीय सीता रानी का स्वास्थ्य खराब चल रहा था। सोमवार की सुबह अचानक

उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। परिजनों ने नगर के निजी चिकित्सकों से उनका उपचार कराया परन्तु स्वास्थ्य बिगड़ने पर उन्होंने अपने निवास पर ही अंतिम सांस लेते हुये दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके निधन की सूचना पर तमाम गणमान्य लोगों का जमावड़ा उनके निवास पर लग गया। मौके पर पहुंचे तमाम लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुये परिजनों को ढांढस बंधाया। नगर के बाईपास मार्ग स्थित सत्यपथ धाम पर उनका अंमित संस्कार किया गया। इस मौके पर पूर्व सांसद बलराज पासी, निवर्तमान पालिकाध्यक्ष महेन्द्र चावला, पूर्व सभासद प्रहलाद खुराना, भाजपा मंडल अध्यक्ष लवी सहगल, कांग्रेस नगर अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी बब्लू, सुरेन्द्र चौधरी, डॉ. सुभाष बाबा, ओमप्रकाश दुआ, प्रवीन रहेजा, मनोज गांधी, राजू अरोरा, एडवोकेट सर्वेश्वर सिंह, अरुण तनेजा, कैलाश खन्ना, सोमराज सहगल, किशन गोयल, संदीप अरोरा, नानक चंद मिगलानी, धर्मराज जायसवाल समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

शोक

- शोक व्यक्त करने वालों का लगा तांता

धंस रही माल रोड को सुधारने की मांग

नैनीताल। जनहित संस्था की बैठक अध्यक्ष सुरेंद्र चौधरी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में वक्ताओं ने नगर की लोअर माल रोड के लगातार धंसने पर गहरी चिंता जताते हुए जिला प्रशासन से इसे जल्द ठीक कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि पर्यटन सीजन शुरू होने के बाद भी नगर की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था कई जगह ठीक नहीं हो पायी है उसे भी जल्द ठीक किया जाए। बैठक में वक्ताओं ने नगर में कलाकारों के लिए आडिटोरियम की स्थापना करने, पान सिंह रौतेला ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के रिकार्ड पुलिस के पास होने जरूरी हैं। कहा कि पुलिस को वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करना चाहिए। रईस अहमद ने खराब स्ट्रीट लाइटों को जल्द ठीक करने की मांग उठाई।

जागरूक माता-पिता कार्यशाला का आयोजन

बच्चों के सीखने की शैली समझना जरूरी

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

हल्द्वानी। जेआईई स्कूल इण्डिया द्वारा मदर्स डे के अवसर पर छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु अभिभावकों के लिये जागरूक माता-पिता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जेआईई स्कूल इण्डिया प्रालि कंपनी की मैनेजिंग डायरेक्टर अवनीत कौर, पेरेंटिंग कोच सागर पटेल, प्रसिद्ध टीचर ट्रेनर आभा आहूजा, जेआईई प्री स्कूल शाखा निदेशक अरुण मौर्या एवं सरिता मौर्या, एकता खड़का, जितेन्द्र सिंह एवं संगीता सिंह के साथ नेपाल से आये हुये जेआईई स्कूल के अन्तर्राष्ट्रीय शाखा निदेशक दीपेन्द्र अयर ने मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्जवलित कर किया। गुजरात से आये हुये लाइफ मैरनेजमेंट कोच सागर पटेल

ने बताया कि बच्चों को सिखाने से पहले उनके सीखने की शैली एवं मनोविज्ञान को समझना बहुत जरूरी है। उन्हें खुशी है कि जेआईई प्री स्कूल इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर कंपनी की मैनेजिंग डायरेक्टर अवनीत कौर ने जेआईई स्कूल शाखा प्रबन्धकों को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया जिसमें पंतनगर शाखा निदेशक जितेन्द्र सिंह एवं संगीता सिंह को आनेस्टी एवं इन्टीग्रिटी अवार्ड, किच्छा ब्रान्च निदेशक एकता खड़का को इम्प्लीमेंटिंग इनोवेटिव आइडिया अवार्ड, छत्तरपुर ब्रांच निदेशक अरविन्द मौर्या एवं अरुण मौर्या को बेस्ट सपोर्टिंग ब्रांच ऑफ दि इयर अवार्ड, फुलसुघा ब्रांच निदेशक राजेश सिंह एवं सुनीता सिंह को फास्टेस्ट ग्रोइंग ब्रांच अवार्ड एवं नेपाल शाखा निदेशक दीपेन्द्र अयर को फास्टेस्ट ग्रोइंग इन्टरनेशनल ब्रांच ऑफ दि ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। अवनीत कौर ने स्कूल निदेशकों को बधाई देते हुए कहा कि उनके प्रयासों से लगता है कि वे बच्चों को सफलता के शिखर तक पहुंचाने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। इस अवसर मल्टीपल इंटेलिजेंस के निदेशक रोहित अग्निहोत्री एवं कैरियर क्राफ्ट एजूकेशन व पीसी ज्वैलर्स के निदेशक नागेन्द्र भट्ट, मनीषा सिंह, अलका पाण्डे, कृष्ण कुमार, विक्रम सिंह रौतेला के साथ समस्त शाखाओं के अभिभावक एवं प्रधानाध्यापक, शिक्षिकाएं एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित थे।